NEWS CLIPPING:19.04.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

Colloquium on 'Essential Aspects of Writing Research Papers for Publishing in Journals'

Nidhi Priya
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: The Research and Development Cell of J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad today organized a Colloquium on 'Essential Aspects of Writing a Research Papers for publishing in Journals'. The event aimed to help researchers and academicians understand the critical aspects of writing research papers and publishing them in reputed journals. The Vice-Chancellor of the University, Prof. Sushil Kumar Tomar, was the key speaker of the Colloquium. In his address, Prof. Tomar highlighted the importance of research in academia and emphasized the need for researchers to publish their work in reputed journals. He discussed the critical aspects of writing research papers, including the selection of the research topic, literature review, methodology, data analysis, and results. He also stressed the significance of proper citation and referencing and discussed the importance of adhering to ethical standards in research. The Colloquium was well-attended by researchers, faculty members, and students from various disciplines. The participants actively engaged in the discussions and asked several insightful questions related to the topic. The event provided an excellent platform for researchers to enhance their knowledge of research paper writing and publishing. The event was attended by the Director (R&D) Prof. Naresh Chauhan, all deans and chairpersons of various teaching departments of the University. The session was coordinated by event coordinators Dr. Sonia Bansal and Dr. Rewa Sharma. The Research and Development Cell of the University regularly organizes such events to encourage and support research activities in the University. Such initiatives are crucial in promoting research culture and developing a community of researchers who can contribute to the advancement of knowledge.

NEWS CLIPPING:19.04.2023

AAJ SAMAJ

कुलपति ने शोधकर्ताओं को शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं से परिचित करवाया

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा आज शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को शोध पत्र लिखने और उन्हें प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत करवाना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रहे। अपने संबोधन में प्रो. तोमर ने अकादमिक क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला और शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शोध पत्र लिखने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें शोध विषय का चयन, साहित्य समीक्षा, कार्यप्रणाली, डेटा विश्लेषण और परिणाम शामिल हैं। उन्होंने उचित उद्धरण और संदर्भ के महत्व पर भी बल दिया और शोध में नैतिक मानकों का पालन करने के महत्व पर चर्चा की। संगोष्ठी में काफी संख्या में शोधकताओं, संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से संवाद किया और विषय से संबंधित कई व्यावहारिक प्रश्न पूछे। संगोष्ठी ने शोधकताओं को शोध पत्र लेखन और प्रकाशन को लेकर ज्ञानवर्धन के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर को पौधा भेंट करते हुए निदेशक (आरएंडडी) प्रो. नरेश चौहान। आज समाज

इस अवसर पर निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, सभी डीन और विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष उपस्थित थे। सत्र का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सोनिया बंसल तथा डॉ. रेवा शर्मा ने किया। विश्वविद्यालय का अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से इस तरह के आयोजन करता है।

NEWS CLIPPING:19.04.2023

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय में शोध पत्र लेखन पर संगोष्ठी

फरीदाबाद, 18 अप्रैल (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याय वाईएमसीए फ रीदाबाद के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा आज शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को शोध पत्र लिखने और उन्हें प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत करवाना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रहे।

अपने संबोधन में प्रो. तोमर ने अकादमिक क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला और शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं

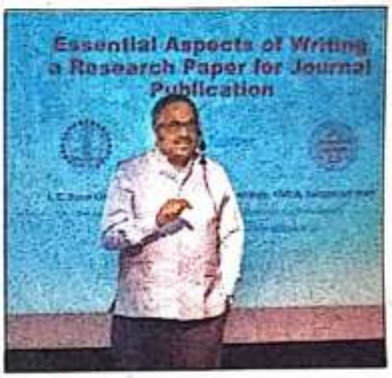

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर।

में अपने शोध कार्य प्रकाशित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शोध पत्र लिखने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें शोध विषय का चयन, साहित्य समीक्षा, कार्यप्रणाली, डेटा विश्लेषण और परिणाम शामिल हैं। उन्होंने उचित उद्धरण और संदर्भ के महत्व पर भी बल दिया और शोध में नैतिक मानकों का पालन करने के महत्व पर चर्चा की। संगोष्ठी में काफी संख्या में शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से संवाद किया। संगोष्ठी में शोधकर्ताओं को शोध पत्र लेखन और प्रकाशन को लेकर ज्ञानवर्धन के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस अवसर पर निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, सभी डीन और विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष उपस्थित थे। सत्र का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सोनिया बंसल तथा डॉ. रेवा शर्मा ने किया।

NEWS CLIPPING:19.04.2023

AMAR UJALA

शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं से कराया परिचित

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा मंगलवार को शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को शोध पत्र लिखने और उन्हें प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत करवाना रहा।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने अकादमिक क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला और शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शोध पत्र लिखने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें शोध विषय का चयन, साहित्य समीक्षा, कार्यप्रणाली, डेटा विश्लेषण और परिणाम शामिल हैं। ब्यूरो

NEWS CLIPPING:19.04.2023

HINDUSTAN

कुलपति ने रिसर्च विद्यार्थियों को टिप्स दिए

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ ने मंगलवार को शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए शोध पत्र लिखने के पहलुओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर ने विद्यार्थियों को विशेष टिप्स दिए। उन्होंने शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित करने की आवश्यकता पर बल दिया।